(SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) The All India Motor Transport Congress Called off the Transporter's strike with effect from the mid-night of 7th July, 1992.

Government have set up a Review Committee with the representatives of All India Motor Transport Congress and the Ministry of Surface Transport to review the progress of decisions taken on the memorandum and charter of demands of the All India Motor Transport Congress.

(c) and (d) Yes, Sir. The main differences are on the issues of octoi and path-kar.

Traffic congestion at G.T. Road between Delhi and Ambala

4565. SHRI S. S. SURJEWALA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the National Highway No. 1(G. T. Road) situated between Delhi and Ambala has become a death trap for the road users;

(b) since when the work of four laning of this road was undertaken and how long it would take to complete the work;

(c) whether Government are aware regarding the large and frequent road blockade on account of wrong removal of the vehicles after the accidents;

(d) how many mobile petrol have been deputed on this stretch and whether adequate medical facilities are provided to the victims;

(e) the number of accidents and death/injuries resulting into disabilities respectively on this stretch during the years 1990-91 and 1991-1992;

(f) whether Government propose to construct an Express Highway between Chandigarh and Delhi; and

(g) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir. Delhi-Ambala Road NH 1 is being maintained in a traffic worthy condition within the limitations of available resources.

(b) The position of 4-laning of this road is as under:—

(i) From Delhi to Murthal — Already four laned.

(ii) Murthal to Karnal — 4 laning is in progress and is targetted to be completed by December 1995.

(iii) Karnal to Ambala — 4 laning has been approved in May' 92 to be undertaken under 2nd World Bank Loan Assistance for National Highways. Since the terders for this work are yet to be invited it is too aerly to indicate the target date of completion.

(c) to (e) These matters come under the purview of local Administration of Delhi and Haryana and information is being collected.

(f) No, Sir.

(g) Does not arise.

इनलैण्ड वाटरवेज अथारिटी ऑफ इंडिया में अनियमितताएं तथा निधियों का गोलमाल

4566. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन**: क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इनलैण्ड वाटरवेज अथारिटी ऑफ इंडिया में अनियमितताओं और करोड़ों रुपयों के गोलमाल से संबंधित कोई रिपोर्ट प्राप्त हुई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि रिपोर्ट में यह सिफारिश की गई है कि इन सभी मामलों की जांच गैर-विभागीय संगठन द्वारा कराई जाए;

(ग) यदि हां, तो क्या इन मामलों का जांच-कार्य केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और इसमें कुल कितनी धनराशि अंतर्ग्रस्त है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ग) भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण में अनियमितताओं के संबंध में प्राधिकरण के वरिष्ट पदाधिकारियों के खिलाफ आरोप प्राप्त होने पर सरकार ने जांच के लिए उक्त आरोप 11.2.1992 को केन्द्रीय जाच ब्यूरो को सौंप दिए। सरकार ने 20.3.92 को इस मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक द्वारा विशेष लेखा परीक्षा करने के लिए भी कहा। विशेष लेखा परीक्षक ने बाहरी एजेंसी के माध्यम से गहन जांच कराने की अनुशंसा की है।

(घ) इसमें निहित कुल धनराशि, यदि कोई है, की जानकारी जांच पूरा हो जाने के बाद ही मिलेगी।

भारतीय जहाजरानी उद्योग की कार्य-कुशलता

4567. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय जहाजरानी उद्योग पिछले कई वर्षों से लगातार काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है,

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि विदेशी मुद्रा अर्जन में वृद्धि होने के साथ-साथ इस उद्योग की कार्य-कुशलता में भी वृद्धि हो रही है,

(ग) यदि हां, तो गत कुछ वर्षों के दौरान कार्य-कुशलता बढ़ाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं, और

(घ) क्या यह भी सच है कि हाल ही में रूस और भारत के बीच जहाजरानी के संबंध में अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर होने थे लेकिन वे नहीं हो पाए, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी, हां।

(ख) ऐसा कोई एक मात्र मानदंड नहीं है जिसके आधार पर नौवहन उद्योग की कार्य कुशलता का अनुमान लगाया जा सके। यह एक विश्वव्यापी उद्योग है जिसकी कार्य कुशलता, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भाड़ा दरों, पर्याप्त टनेज की उपलब्धता, कार्गो की उपलब्धता, इत्यादि जैसे विभिन्न कारणों पर निर्भर करती है। इनमें से अधिकतर कारक नौवहन उद्योग के नियंत्रण से बाहर हैं।

(ग) सरकार ने ऐसे अनेक उपाय किए हैं जिनसे नौवहन उद्योग अपने कार्य-निष्पादन को सुधार सके। अभी हाल ही में किए गए महत्वपूर्ण उपायों में से कुछ नीचे दिए गए हैं :-

(i) जहाज अधिग्रहण हेतु प्रक्रिया का सरलीकरण।

(ii) नौवहन कम्पनी बेयर-बोट चार्टर-कम-डिमाइज विधि के तहत जहाज खरीद सकती है बशर्ते उनके पास इस प्रयोजनार्थ वैध अनुमोदन हो।

(iii) नौवहन कम्पनी सरकार की अनुमति के बिना 30,000 डी डब्लू टी तक के बल्क कैरियर खरीद सकती है।

(iv) जहाजों को भाड़े पर देने के लिए सरकारी अनुमति की आवश्यकता को समाप्त करना।

(v) जहाजों की बिक्री के लिए प्रक्रिया का सरलीकरण।

(घ) जी, नहीं।

दिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर रोक

4568. **श्री अनन्तराम जायसवाल** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली की सड़कों पर चलने वाले सभी प्रकार